



स्कूल ट्रेनिंग में चूत की प्यास का इलाज किया

“मेरे दो बच्चे होने के बाद मेरे पति ने मेरी चूत चुदाई छोड़ दी. चूत की खुजली ने मुझे टिकने नहीं दिया. मैंने अपनी चूत की प्यास बुझाने के लिए क्या किया ?”
...

Story By: राज शर्मा 007 (rajsharma007)

Posted: Thursday, March 26th, 2020

Categories: [गुरु घण्टाल](#)

Online version: [स्कूल ट्रेनिंग में चूत की प्यास का इलाज किया](#)

स्कूल ट्रेनिंग में चूत की प्यास का इलाज किया

📖 यह कहानी सुनें

दोस्तो नमस्कार! मेरे बारे में तो आप सभी जानते ही हैं। मैं राज शर्मा चंडीगढ़ से हूँ। मुझे सेक्सी कहानियां लिखने का व सेक्स करने का बहुत ज्यादा शौक है। लण्ड पर काला तिल होने के कारण चूत का जुगाड़ भी देर-सवेर हो ही जाता है। मेरे सभी दोस्त मेरी लिखी कहानियों को सिर्फ कहानी समझ कर ही अपने लण्ड हिलाएं।

मेरी पिछली कहानी थी

गर्लफ्रेंड की देसी माँ की चूत चुदाई

दोस्तो, मेरी इस कहानी की नायिका का नाम माया है जो 38 साल की एक भरे जिस्म की मल्लिका है। जो मेरी तरह ही खूब चुदाई की शौकीन है। उसे अलग-अलग लण्ड लेने में बहुत मजा आता है। अपने लिए लण्ड का जुगाड़ वो कर ही लेती है। ये कहानी उसकी और उसके साथ काम करने वाले स्कूल टीचर के बीच की है जिसमें उसने पहली बार अपने पति के अलावा दूसरे का लण्ड अपनी चूत में लेकर अपनी खुजली मिटाई।

मैं कहानी सुनाऊंगा तो ज्यादा मजा नहीं आएगा। इसलिए इस चुदाई की दास्तान को आप उसी की जुबानी सुनिये.

दोस्तो, अन्तर्वासना की सभी गर्म-गीली चूतों और खड़े लण्डों को मेरा नमस्कार। मैं माया यूपी के पिछड़े ग्रामीण इलाके में एक सरकारी टीचर हूँ। मेरी शादी मेरे से दस साल बड़े आदमी के साथ 18 साल की उम्र में ही हो गयी। शादी के कुछ साल बाद तक तो मेरे पति

ने मेरी दिल खोल कर चुदाई की और बहुत जल्द मुझे दो बच्चों की माँ बना दिया। कुछ साल तो ऐसे ही गुजरे फिर उनकी चुदाई के दिन और घंटे लगातार हर साल घटने लगे और मेरी चूत की खुजली लगातार बढ़ने लगी।

अब मैं अपने पति से संतुष्ट नहीं हो पा रही थी। गाजर, बैंगन से भी काम नहीं निकल पा रहा था। अब मेरा इस तरह रहना मुश्किल सा हो गया था। मुझे लण्ड चाहिये था जो मुझे मेरे पति से नहीं मिल रहा था। बाहर से लण्ड मैं पति के साथ रहते हुए कभी ले नहीं सकती थी। इसलिए मैंने अपना ट्रांसफर पिछड़े ग्रामीण इलाके में करवा लिया। अब मैं वहाँ किराये के मकान में रहने लगी और बच्चों को सास-ससुर व पति के साथ छोड़ दिया। बच्चे वैसे भी अब स्कूल जाने लगे थे तो कोई दिक्कत नहीं थी।

घर से दूर व पति से दूर तो आ गयी थी मैं। अब बस एक मस्त लण्ड खोजना बाकी रह गया था। लेकिन गाँव में ये संभव नहीं था क्योंकि गाँव के लोग मेरी बहुत इज्जत करते थे।

मैंने स्कूल के ही एक बाँके जवान टीचर किशन पर डोरे डालने शुरू किए। वो भी अभी कुँवारा था और किराये पर ही अपने दोस्तों के साथ रह रहा था। कुछ ही दिनों में वो मेरे शीशे में उतर गया लेकिन बात तो फिर भी वहीं अटक रही थी। चुदाई हो तो कैसे हो? मैं उसके कमरे में जा नहीं सकती थी और उसे अपने कमरे में ला नहीं सकती थी। पकड़े जाने पर बहुत बदनामी का डर था। फोन पर ही सेक्स की बातें होने लगीं।

अब आग तो दोनों तरफ लगी थी लेकिन बुझे कैसे। मगर कहते हैं ना अगर चूत को लण्ड से मिलना हो तो रास्ते खुद ही निकल जाते हैं।

हमारे स्कूल से दो टीचर्स को ट्रेनिंग के लिए मेरठ बुलाया गया था। बस मेरा काम बन गया। मैंने उसका और अपना नाम लिखवा दिया क्योंकि इससे अच्छा मौका और नहीं मिलने वाला था चूत को शांत करने का। मैंने उसे भी पूरी प्लानिंग बता दी। वो भी बहुत खुश

हुआ।

अब हम दोनों मेरठ पहुंच गए तय दिन में ... एक गेस्ट हाउस में हमारा कमरा बुक था। 5 दिन की ट्रेनिंग थी और हमारे पास बहुत समय था अपने जिस्म की प्यास बुझाने के लिए। हम शाम को पहुंच गए। थोड़ी देर हमने आराम किया. ट्रेनिंग अगले दिन से शुरू थी. शाम को हम दोनों थोड़ा मेरठ घूमे और वापस गेस्ट हाउस में आ गए।

मैंने उससे कहा- रात की तैयारी कर लो, आज रात हमें खूब मजे लेने हैं।

उसने कहा- अब रहा नहीं जा रहा है, एक राउण्ड अभी मार लें क्या ?

मैंने मना कर दिया. इतने समय से जो मेरी चूत में लण्ड लेने की खुजली मची थी उसे मैं तसल्ली से मिटाना चाहती थी। ये जल्दीबाजी से कोई मजा नहीं आने वाला था। उससे मैंने कहा- कुछ घंटे और रुक लो फिर 5 रोज तो दिन-रात चुदाई ही करनी है। यह कहकर मैं नहाने चली गयी।

मैंने अपनी चूत और बगल के बाल निकाल कर खुद को और अपने शरीर के अंगों को चमका दिया और खुशबू वाले साबुन से खूब रगड़-रगड़ कर अपना शरीर साफ किया। नहाने के बाद अपनी चूत पर तेल चुपड़ कर उसे भी खूब चिकनी कर लिया. आज बहुत सालों के बाद दूसरा लण्ड जो इसके अन्दर लेने वाली थी मैं।

फिर मैं हल्के कपड़े पहन कर रूम में आ गयी। उसके बाद वो भी नहाने चला गया। उसके नहाकर आने के बाद मैंने उसे बियर लाने को कहा और फिर खाने के साथ बियर का भी मजा लिया।

जब दोनों को हल्का-हल्का सुरूर चढ़ गया तो वो मेरे पास आया और मुझे पकड़ कर बिस्तर में खींच कर ले गया। अब तो मुझ से भी नहीं रहा जा रहा था। अब मेरी चूत उसका

लण्ड लेने को मचलने लगी थी।

मैंने अपनी बांहों में उसे समेट लिया. आज पहली बार पति के अलावा किसी और को बांहों में लिया था. एक अलग ही नशा था वो. मेरे और उसके होंठ आपस में मिल गए और उसके हाथ मेरी चूचियों से खेलने लगे। हम दोनों का बुरा हाल था। मेरी चूत बहुत गीली हो गयी थी. उसका लण्ड भी पजामे के अन्दर तम्बू बना हुआ था।

अब वो कपड़ों के बाहर से ही मेरी चूत सहलाने लगा और मैं उसके लण्ड को सहलाने लगी। मुझे से अब नहीं रह गया तो मैंने उससे कहा- किशन अब मुझे अपनी बांसुरी दिखा ही दो जिसको तुम मेरी चूत में डालकर आज पूरी रात बजाने वाले हो।

“मेरी जान मैं तो शाम से ही तैयार हूँ. तुम ही नखरे दिखा रही थी।”

“अब तो नहीं दिखा रही ना, अब तो मैं खुद तुम्हें दिखाने को बोल रही हूँ. अब कर लो अपनी मन की, जो भी करना हो।”

उसने फटाफट मुझे भी नंगी किया और खुद भी नंगा हो गया। बस फिर क्या था जैसे ही उसने मेरी चिकनी चूत देखी वो तो पागल ही हो गया। वो मुझे बेतहाशा चूमने लगा। मैं भी उसका लण्ड पकड़ कर सहलाने लगी। ये मेरे जीवन का दूसरा लण्ड था जिसे मैंने हाथ में लिया था और जिसे मैं आज रात अपनी तड़पती हुई चूत में डलवाने वाली थी।

मुझे उस पर बहुत प्यार आ रहा था। किशन का लण्ड मेरे पति से थोड़ा बड़ा था और जवान लण्ड होने के कारण मेरे सामने अकड़ कर खड़ा था। मैंने तुरंत उसे मुंह में लेकर चूसना शुरू किया। वाह! पराये मर्द का लण्ड चूसने का मजा ही कुछ और था।

शादीशुदा औरतों को बताना चाहूँगी कि कभी अपने पति के अलावा दूसरे का लण्ड भी चूस कर देख लो. सब कुछ भूल जाओगी। पति के साथ तो थोड़ा झिझक होती है. पति हमारे बारे में क्या सोचेगा हम इसी शर्म के मारे लंड को चूसने का लुत्फ नहीं ले पाती

लेकिन किसी और का लण्ड तो आप जैसा मन करे वैसे चूस सकती हो. अपनी चूत चुसवा सकती हो. एक बार जिंदगी में जरूर करके देखें. फिर तो हमेशा ही दूसरा लण्ड तलाशती रहोगी आप, ये मेरा अनुभव कहता है।

यही अभी मेरे साथ भी हो रहा था। मैं उसका लण्ड चूसते हुए एक अलग ही दुनिया में पहुंच गयी वो भी बहुत मजे ले रहा था.

फिर किशन ने मुझे रोक लिया और वो 69 अवस्था में आ गया. अब वो मेरी चूत चाट रहा था और मैं उसका लण्ड अपने मुंह के अन्दर तक लेकर चूस रही थी। हम दोनों एक दूसरे को मजा देने में इतना खो गए कि होश तब आया जब दोनों का कामरस एक दूसरे के मुंह में भर गया। हम दोनों निढाल होकर एक-दूसरे की बगल में लेट गए। इतना मजा चूसने और चटवाने में अपने पति के साथ कभी नहीं आया।

थोड़ी ही देर में एक बार मैं फिर उससे चिपकने लगी। उसके हाथ मेरे शरीर पर रेंगने लगे। मेरे शरीर में उत्तेजना भरने लगी। मेरी चूचियाँ फिर से कड़ी होने लगीं। फिर से वासना भड़कने लगी। मैं उसके जिस्म को सहलाती जा रही थी और लण्ड को भी मसलती जा रही थी। एक बार फिर नंगे बदन एक-दूसरे से रगड़ खाने लगे। दो जवान जिस्म सुलग उठे। किशन का लण्ड कठोर होता जा रहा था। उसका उफ़नता हुआ लण्ड मेरी चूत में घुसने को बेकरार हो उठा।

मेरी चूत पानी छोड़ने लगी थी। किशन का हाथ मेरी गांड के छेद को सहला रहा था. उसकी एक उँगली मेरी गांड के छेद में घुसने लगी. शायद उसका इरादा कुछ और था।

“क्या बात है, चिकनी सड़क तैयार है और तुम कच्ची सड़क ढूँढ रहे हो?” मैंने पूछा.
“माया जब मैंने तुम्हें स्कूल में पहली बार देखा तब से ही मेरी नज़र तुम्हारी गांड पर थी। तुम्हारी ये गांड ही थी जो मुझे तुम्हारे इतने करीब ले आयी। आज जब मौका मिला है तो

पहले मैं इसी से शुरूआत करूँगा. तुम्हें कोई दिक्कत तो नहीं है ?”

“अरे नहीं, मैंने तुम्हें अपना शरीर सौंप दिया है. अब बस तुम अपने इस कड़क लण्ड से मेरी जमकर टुकाई कर दो. बहुत दिन हो गए लण्ड न लिए हुए। जहां मन है वहां डाल लो लेकिन अब देर मत करो, बस रगड़ दो मुझे।”

किशन ने करवट बदली। मेरी पीठ से उसका जिस्म सट गया। जैसा सोचा था वही हुआ। मेरा मन खुशी से नाच उठा। उसका लण्ड मेरी गान्ड चोदने के लिये बेकरार हो रहा था। मुझे गान्ड चुदवाना बहुत ही अच्छा लगता है क्योंकि देर तक चुदाई करवाना मुझे अच्छा लगता है।

उसका लण्ड मेरे चूतड़ों की दरारों में फिसल रहा था। शायद गान्ड के छेद को ढूँढ रहा था। मुझे तेज सिरहन होने लगी थी। चूतड़ों की दोनों गोलाइयां खुलने को तैयार थीं। उसके हाथ धीरे से मेरी चूचियों पर कब्जा जमा चुके थे। मेरी चूचियां कड़ी हो गयी थीं।

उसने मेरी चूचियों को दबाते हुए लण्ड का दबाव मेरी चूतड़ों की दरार में डाला। मेरी चिकनी दरार के बीच लण्ड सरकता हुआ मेरी गान्ड के द्वार पर आ पहुंचा था। मैंने बेचैनी से उसे देखा। किशन ने प्यार से मेरी चूचियों को जोर से दबा कर गान्ड का दरवाजा खोल दिया और सुपारा अन्दर घुसा दिया।

मेरे मुख से सिसकारी निकल पड़ी। मैंने अपने चूतड़ों को और पीछे की ओर उभार दिया और उसके लण्ड के साथ-साथ जोर लगाने लगी।

उसका लण्ड मेरी सिसकारियों के साथ आगे बढ़ चला। फिर एक और धक्का लगा और लण्ड पूरी गहराई तक उतर गया।

थोड़ी देर के लिए तो मुझे दर्द हुआ. किशन का लण्ड जरा मोटा था। लेकिन इस चुदाई के

लिए तो मैं कैसा भी दर्द सहने को तैयार थी। मैंने उसे लण्ड को थोड़ा चिकना करने को बोला। उसने एक बार अपना लण्ड मेरी गांड से जैसे ही बाहर निकाला, मुझे मेरी गांड खाली लगने लगी।

उसने मेरी गांड और अपने लण्ड पर थूक लगाया और लण्ड मेरी गांड के मुंह पर सेट करके एक जोरदार धक्का मार दिया।

“उम्मह... अहह... हय... याह... मजा आ गया, फाड़ डाली साले ने।”

मैंने अपनी एक टांग ऊपर उठा दी और उसकी टांगों पर रख कर गान्ड को और खोल दिया। अब उसका लण्ड मेरी गान्ड को बड़ी आसानी से चोद रहा था। उसका हाथ अब चूचियों पर से हट कर चूत पर आ गया था।

उसने अपनी एक उंगली मेरी चूत में घुसा दी और लण्ड के धक्कों के साथ उंगली भी अन्दर बाहर कर रहा था। उसके धक्के तेज होने लगे। मेरी चिकनी गान्ड में भी मीठा-मीठा सा मजा आने लगा था। मेरे चूतड़ भी हिल-हिल कर गान्ड चुदवाने में मेरा साथ दे रहे थे, मेरा अंग-अंग उत्तेजना से भर उठा था।

किशन की भी सिसकारियां बढ़ गयीं। थोड़ी देर तक उसने रगड़ कर गांड की टुकाई की।

अचानक उसने अपना लण्ड गान्ड में से निकाल लिया। मुझे उल्टा लेटा कर मेरे नीचे तकिया लगा दिया। मैं अपनी बांहों की कोहनियों पर हो गयी और सामने से ऊपर उठ गयी। तकिया लगाने से मेरी चूत थोड़ी सी ऊपर हो गयी। मेरी टांगों के बीच में आकर उसने अपना लण्ड मेरी चूत के छेद पर लगा कर उसे दबा दिया।

मैं चिहुंक उठी। लण्ड का स्पर्श पाते ही चूत का द्वार अपने आप ही खुल गया। इस लण्ड के लिए मैं कब से तड़प रही थी। आज वो लण्ड आखिर मेरी चूत के मुहाने पर लग ही गया

था। मैं तो पागल सी हो गयी।

“आह किशन, अब मत देर करो. डाल दो अंदर ... जल्दी. अब सहन नहीं हो रहा।”
“ये लो मेरी जान!”

उसने थोड़ी देर लण्ड को चूत पर रगड़ा और दबाव दे ही दिया। मेरी चूत ने भी लण्ड का स्वागत किया और सुपारा फ़क से अन्दर घुस गया। चूत पूरी गीली थी। एकदम चिकनी! मैंने भी जोश में चूतड़ों को उछाल दिया।

नतीजा यह हुआ कि लण्ड फ़च की आवाज करता हुआ पूरा अन्दर तक पहुंच गया। खुशी और आनन्द के मारे मैं चीख उठी- मेरे राजा ... मजा आ गया ... पूरा घुसेड़ दो अपना लण्ड ... हाय!

उत्तर में किशन ने मेरी दोनों चूचियां दोनों हाथों से दबा दीं और अपनी कमर की स्पीड बढ़ा दी। उसका लण्ड इंजन के पिस्टन की तरह फ़काफ़क अन्दर बाहर होने लगा। वो मेरी चूचियों को अच्छी तरह से दबा-दबा कर चोद रहा था।

“भर गयी राजा ... चोद दे रे ... हाय ओह ... इस चूत की मां चोद दे ...”

“हां ... मेरी रानी ... तुझे छोड़ूंगा नहीं ... पूरा चोद डालूंगा ... मेरी कुतिया”

“हां रे ... मेरी चूत का भोसड़ा बना दे ... मेरे राजा ... हाय रे ...”

“आह्ह्ह्ह ... रे... तेरी चूत मारूं ... बहन चोद ... कुतिया ... रन्डी ... ले ... और ले ... लण्ड ...”

“कब से साली तड़पा रही थी मुझे, अब जाकर मौका मिला है तेरी लेने का. आज तो तेरा बाजा बजा ही दूंगा. साली ... ले आहहह ... आह्ह्ह!”

दोनों तरफ़ से वासना भरी गालियों की बौछारों के बीच चुदाई चरम सीमा पर पहुँच रही थी। किशन क्या मजेदार धक्के मार रहा था। उसका मोटा लण्ड अंदर तक रगड़ रहा था।

उसके जवान लण्ड ने आज सारी कसर मेरी चूत चोद-चोद कर निकाल दी थी. जो मेरे पति नहीं कर पाए थे वो आज मैंने पराये मर्द के लण्ड से हासिल कर लिया था। फच्च-फच्च की आवाज से पूरा कमरा गूँज रहा था. यहाँ किसी का डर नहीं था।

हम दोनों एक दूसरे को निचोड़ने में लगे हुए थे। मैं भी नीचे से कमर हिला कर किशन का पूरा साथ दे रही थी। उसके इन दमदार वारों को कुछ देर सहने के बाद मेरे से तो अब नहीं रहा जा रहा था। लग रहा था कि अब गयी ... आह ... अब गयी ...

मैं खुद को बहुत रोकना चाह रही थी लेकिन वासना की तेजी, उत्तेजना की तेजी उबल उबल कर ऊपर आने को आतुर थी- मादरचोद ... भोसड़ी के ... मैं तो गयी रे ... चोद ... चोद ... जोर लगा। फ़ाड़ दे ... बहनचोद!

“अभी रुक जा छिनाल ... मेरी भी होने वाला है ... मैं भी आया ... मां की लौड़ी”

“हाय रे ... मरी ... निकला पानी रे... हाय रे चुद गयी ... चुद गयी ... निकल गया रे ...

मैं धीरे-धीरे झड़ने लगी लेकिन उसके झटके चूत में चलते रहे। मैं निढाल होने लगी। मैंने अपनी चूचियों से उसका हाथ हटा दिया। अब किशन ने भी अपना मोटा और लम्बा लण्ड चूत से बाहर निकाल लिया।

उसने मुझे सीधा किया और अपना लण्ड मेरे मुँह पर रख दिया।

मैं हंस पड़ी- अब एक छेद तो छोड़ दे कमीने।

“प्लीज ... बस होने ही वाला है।” मैं तुम्हें अपना माल पिलाना चाहता हूँ. बस थोड़ा मुँह भी चोदने दो !”

“आ जा राजा, पिला दे अपना माल मुझे। तुम्हें थोड़े ही मना करूंगी. तुमने तो मुझे वो सुख दिया है जिसके लिए मैं बरसों से तड़प रही थी. तुमने तो एक ही बार में मेरे दोनो छेदों की खजली मिटा दी। आज अब तीसरा छेद भी चोद लो।”

उसने अपना लण्ड मेरे मुँह में घुसा दिया। पहले मैं उसे चूसती रही लेकिन उसने मेरे मुँह को ही चोदना चालू कर दिया। उसका लण्ड मेरे गले को छू रहा था। मैंने तुरन्त उसका लण्ड अपनी मुट्ठी में ले कर उसे जोर से भीन्च कर मुठ मारने लगी।

बस इतना तो उसके लिये काफी था। उसके लण्ड ने वीर्य की पिचकारी मेरे मुख में छोड़ दी। चूतड़ों और लण्ड के जोर से पिचकारी जोर से छूट रही थी। मुझे पता नहीं कि कितना पी गयी और कितना मेरे चेहरे पर बिखर गया। मैंने उसका लण्ड पूरा चूस कर साफ़ कर दिया।

अब किशन बिस्तर से उतर गया। हम एक बार फिर बाथरूम में गये। पानी से साफ़ करके बाहर आये। बाथरूम के बाहर हम आपस में एक दूसरे को नंगे ही निहारने लगे। उसका लण्ड देखकर मेरी चूत में फिर से पानी आने लगा। मुझसे रहा नहीं गया। मुझे उस पर प्यार आने लगा। मैंने अपनी बांहें फ़ैला दीं। हम फिर से एक दूसरे की खुजली मिटाने में जुट गए।

उस रात हमने चार बार धुआधार चुदाई की। हर बार उसने अपने वीर्य से मेरी चूत लबालब भर दी। थकान से दोनों की हालत खराब हो गई थी। लण्ड को चूत में डाले-डाले कब नींद आ गयी पता ही नहीं चला। सुबह एक बार दोनों ने अपने जिस्म की भूख मिटाई और फिर तैयार होकर नाश्ता करने के बाद ट्रेनिंग में चले गए।

ट्रेनिंग में भी हम दोनों ने बहुत अच्छा परफॉर्मेंस दिया और वापस रूम में आकर भी।

इन 5 दिनों में दिल खोल कर मैंने अपने सभी छेदों की खुजली को दूर किया। फिर हम वापस स्कूल आ गए।

अब जाकर तसल्लीबख़्श मोटे लण्ड से चूत चुदी थी तो कुछ दिन तो चैन से कटे। अब हर बार हमें ट्रेनिंग के लिए बुलावा आता और हम दोनों ट्रेनिंग में जाकर अपनी तन की प्यास

बुझा लेते। एक बार दूसरे लण्ड से चुदवा लेने के बाद फिर इन सालों में कितने लण्ड मेरी चूत में आये और गए मुझे खुद भी याद नहीं।

दोस्तो, कैसी लगी माया की कहानी ? आप मुझे मेल आईडी पर जवाब दे सकते हैं। आपके जवाब और अमूल्य सुझाव के इंतजार में आपका अपना- राज शर्मा।

rs007147@gmail.com

Other stories you may be interested in

मेरा सच्चा प्यार बेवफा निकला

अन्तर्वासना के सभी पाठकों को विशु तिवारी का प्यार भरा नमस्कार. मेरे प्यारे पाठको, इस सच्ची कहानी में ज्यादा सेक्स की बातें नहीं हैं इसलिए आपको थोड़ी बोरियत महसूस हो सकती है मगर जब आप इस कहानी को अपना दर्द [...]

[Full Story >>>](#)

कुंवारी जवान बुर की चुदाई की लालसा-2

दोस्तो, मेरी पहली चुदाई की गर्म कहानी के पहले भाग कुंवारी जवान बुर की चुदाई की लालसा-1 में आपने पढ़ा कि मैं अपनी मौसी के घर गयी हुई थी. मौसी मौसा को कहीं जाना पडा तो मैं पड़ोस के अंकल [...]

[Full Story >>>](#)

लॉण्डरी वाले से पहली चुदाई करवाई-2

जवान लड़की की पहली चुदाई की कहानी का पिछला भाग : लॉण्डरी वाले से पहली चुदाई करवाई-1 >खैर ये सोचते सोचते दस बज गए मगर राजू नहीं आया. हमें लगा कि साला चुतिया बना गया. सनम बोली- उस मादरचोद से तो [...]

[Full Story >>>](#)

एक अनजान लड़की को दिया सम्पूर्ण आनन्द

नमस्कार दोस्तो, मैं आप आप सभी को धन्यवाद करता हूँ कि आपने मेरी पिछली कहानी भाभी ने कुंवारी लड़की की चूत चुदवा दी को पसंद किया. उन सभी लोगों का भी धन्यवाद जिन्होंने मुझे ईमेल पर कांटेक्ट करने की कोशिश [...]

[Full Story >>>](#)

ब्रा पैंटी वाले दुकानदार से चूत गांड चुदवा ली

नमस्कर दोस्तो, मैं बिन्दू देवी फिर से हाजिर हूँ. आपने मेरी पिछली इन्सेस्ट कहानी चचिया ससुर से चूत चुदाई औलाद के लिए पढ़ी. काफी लोगों ने इसे पसंद किया. धन्यवाद. लेकिन इस बार यह कहानी मेरी एक सहेली की है. [...]

[Full Story >>>](#)

